छींद को दादा अलबेला लगे मंगल को मेला

छींद को दादा अलबेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

कोई कहे बजरंगी आला,
कोई कहे अंजनी के लाला
राम को भगत अकेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

रावण पूंछ में आग लगाई,
तुमने उसकी लंका जलाई,
खेल अजब तुमने खेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

सीता राम लखन मन लाई,
तुमने छाती फाड़ दिखाई,
कौन गुरु कौन चेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

छींद गांव की महिमा न्यारी,
मेला भरत दशहरा पे भारी,
भक्तों की रेलम रेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

बजरंग के गुण गाओ प्राणी,
'पदम' यूं कह गये ज्ञानी ध्यानी,
जग है झूठा झमेला,
लगे मंगल को मेला।bd।

छींद को दादा अलबेला,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Writer – Dalchand Kushwah 'Padam'
9993786852

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com